सफल राजस्थान

डाक पं. संख्या :
जयपुर सिटी/129/2018-20

मजबूत इरादे, बढ़ते कदम

सफल राजस्थान
न्यूज पेपर से जुड़ने के लिये संपर्क करें।
safalraj2012@gmail.com
web : www.safalrajasthan.com
Contact 8829966661
9251166661
9214466661

वर्ष- 3 | अंक-38 | RNI. NO : RAJHIN/2016/69327 | सोमवार, जयपुर 6 मई, 2019 | साप्ताहिक | पृष्ठ-4 | मूल्य : 7 रुपए

भाजपा-कांग्रेस गरीब वंचित लोगों का शोषण कर रही है : सालोदिया

सफल राजस्थान

जयपुर। आज बसपा लोकसभा प्रत्याशी पूर्व आईएएस उमराव सालोदिया ने मीडिया को सम्बोधित करते हुए कहा कि बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन कु. मायावती जी के निर्देशानुसार जयपुर लोकसभा क्षेत्र से बसपा के लोकसभा प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया।

बहुजन समाज पार्टी बसपा सभी धर्म, जातियों व गरीब, पीड़ित, दलित शोषित व वंचित तबकों की राष्ट्रीय पार्टी है। हमारा लक्ष्य विकास के साथ अपसी सौहार्द, रोजगार, सामाजिक समानता, महिला सुरक्षा एवं वंचित गरीब लोगों को मुख्य धारा में लाना रहेंगा। आज देश में जिस तरह का वातावरण भाजपा एवं कांग्रेस द्वारा उत्पन्न किया जा रहा है जिससे देश का हर वर्ग, आज इन भाजपा, कांग्रेस पार्टियों को तिरस्कार के नजरियें से देख रही है। कांग्रेस व भाजपा दलित, मुस्लिमों अन्य पिछड़ा वर्ग और आदिवासी समाज के साथ भेदभाव करती है योग्यता के आधार पर आज में देश में दलित समाज का मुख्य सचिव होता आज भाजपा कांग्रेस दलित समाज के साथ सिर्फ वोट बैंक के लिए संपर्क बनाए रखा।

आज देश में भाजपा सरकार ने सवैंधानिक संस्थाओं का खत्म करने का काम कर रही हैं। आज देश का अन्न दाता किसान राजनैतिक टूल बन गया है। किसान की समस्या पर कोई भी पार्टी काम नहीं कर रही है। देश का युवा बैरोजगार घर बैठा है। देश मे सिर्फ कांग्रेस और भाजपा आपसी मिलीभगत कर देश की जनता से जुड़े मुदो को भुलाकर सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप कर जनता को जुमलों फंसा रही है। आज देश में बेराजगारी चरम सीमा पर है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी जनता के सामने गलत आंकड़े पेश करे देश को भ्रमित कर रहे हैं।

बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन कुमारी मायावती जी ने हर परिवार से एक युवा को नौकरी देने का वायदा किया है जिसके तहत हर परिवार से एक बेरोजगार युवा को नौकरी दी जाएगी। आज देश में लॉ एड ऑर्डर फेल हो चुका है एवं विभिन्न संवैधानिक निकायों की स्थिति भी नाजुक हैं देश में दलित अत्याचार में राजस्थान प्रथम स्थान पर है। आज भी राजस्थान की जयपुर राजधानी होने के बावजूद भी हमारी बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं हैं।

स्वीकृति नहीं मिली तो मौके पर खड़े होकर बनवायेंगे बरामदा

सफल राजस्थान

जयपुर। 29 अप्रैल 2019 को रींगस भैरू जी मन्दिर में नगर पालिका प्रशासन रींगस द्वारा महिलाओं के लिए बन रहे विश्राम ग्रह को तोड़ने का जो आपराधिक कार्य किया गया इसका जबाब भी उसी भाषा में ही दिया जाएगा। रींगस नगर पालिका प्रशासन एवं राजस्थान की कांग्रेस सरकार मुख्यमंत्री को खुली चेतावनी राजस्थान में किसी भी मन्दिर को वहाँ हो रहे निर्माण में बाधा उत्पन्न करने पर परिणाम भुगतने की सोच लेना चाहिए वरना परिणाम घातक साबित हो सकते है किसी व्यक्ति विशेष को टारगेट बनाकर निर्माण में रुकावट पैदा करने की कोशिश की गई तो हजारों लोग लड़ाई लड़ने के लिए लिये मैदान में होंगे और पुरानी गलतियां सामने लाई जाएगी जैसे गोचर की भूमि पर थाने बना दिये कई जगह गोचर की भूमि पर सरकारी आवास बनाये गये वो सभी उसी दायरे में ले निर्माण किया गया भवन ध्वस्त किया जायेगा।

फोर्टी अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने की व्यापार प्रष्ठिान बंद की घोषणा

सफल राजस्थान

जयपुर। फोर्टी अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने राजस्थान के उन सभी सीटो पर जहां 6 मई को लोकसभा के चुनाव होने हैं, व्यापार बंद की घोषणा की और सभी व्यापारी बंधुओं से निवेदन किया है कि लोकतंत्र के इस महापर्व पर अपना प्रतिष्ठान बंद रखे एवं पूरे परिवार के साथ अधिक से अधिक संख्या में देश हित में मतदान करें और जानने वालों को भी मतदान में हिस्सा लेने के लिऐ प्रेरित करे।

विद्याधर नगर विधानसभा में मुख्यमंत्री की सभा

कांग्रेस प्रत्याशी सीताराम अग्रवाल ने ज्योति खंडेलवाल को ओढ़ाई चुनरी

सफल राजस्थान

जयपुर। विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र मे ज्वाला माता मंदिर चौराहा, 100 फिट बेनाड रोड, नाड़ी का फाटक, पर कांग्रेसी नेता सीताराम अग्रवाल के नेतृत्व में जयपुर शहर लोकसभा कांग्रेस प्रत्याशी ज्योति खंडेलवाल के समर्थन में विशाल जनसभा को राजस्थान के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राजस्थान सह-प्रभारी विवेक बंसल स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा, जयपुर महापौर विष्णु लाटा, घनश्याम तिवारी, अश्क अली टॉक, रफीक खान, पुष्पेंद्र भारद्वाज, अर्चना शर्मा, सुरेश चौधरी, एआईसीसी के सुरेंद्र शर्मा, सुशील शर्मा, निगम भगवत सिंह देवल, किशन अजमेरा, महादेव शर्मा, मंजू शर्मा, कृष्ण गोपाल शर्मा, इंद्रपाल चौधरी, नरपत सिंह राठौड़, जे.पी.सैनी, राकेश लाटा, शुभदेश सिंह चौहान, देवेंद्र बुटाटी, हरेंद्र पाल सिंह जादौन, सहित कई कांग्रेसी नेताओं ने सभा को संबोधित किया व कई कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व सभी कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस से निष्कासित हुये पदाधिकारियों की घर वापसी

जयपुर। गत विधानसभा चुनावों में निष्कासित किये गये नेताओं की हुई घर वापसी राहुल गांधी ने कराई कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण। विद्याधरनगर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर। 2 मई को राहुल गांधी ने चौमूं में आयोजित विशाल सभा में विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के कदावर नेता विक्रमसिंह शेखावत सहित पूर्व ब्लॉक अध्यक्षता कैलाश शर्मा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष महावीर सिंह राठौड़, पूर्व पार्षद ज्ञानचंद सैनी वर्तमान पार्षद बजरंग कुमावत, राजकुमार चौधरी (शेषमा), जितेन्द्र बागडा, प्रदीप तिवाड़ी, सुमित मिश्रा, कालूराम शर्मा, कमलेश सैनी, भागीरथ शर्मा, पूरन बाबा खटीक को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कराई और कांग्रेस का दुपट्टा ओढ़ाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे और राजस्थान कांग्रेस के तमाम वरिष्ठ कांग्रेस नेता उपस्थित थे। इस अवसर पर विक्रम सिंह शेखावत सहित सभी अन्य दस नेताओं का निष्कासन रद्द कर राहुल गांधी द्वारा कांग्रेस में शामिल करने पर विद्याधर नगर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी जाहिर की एवं स्वागत किया। विक्रम सिंह शेखावत ने इस प्रक्रिया को पुनः घर वापसी बताया व वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त किया।

एन.के. पब्लिक स्कूल में कठपुतली खेल बच्चों द्वारा किया गया

सफल राजस्थान

जयपुर। आर्य नगर, मुरलीपुरा स्थित एन. के. पब्लिक स्कूल (अंग्रेजी माध्यम) में बाल कलाकारों द्वारा कठपुतली खेल का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया गया। विद्यालय के सभागार में कक्षा दूसरी से पाँचवी तक के विद्यार्थियों ने कठपुतली के खेल के माध्यम से कई सामाजिक संदेश दिए जिसके अन्तर्गत हाथी और जंगल के जानवर के माध्यम से बड़ा ही सुंदर संदेश प्रस्तुत किया गया जिसमें भावी व दिव्यांशु ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से बताया की जरूरत के समय काम आने वाला दोस्त ही सच्चा मित्र होता है।

इसके पश्चात् कक्षा तीसरी से मनस्वी, लक्ष्य व भारत ने अपने कठपुतली खेल 'मोगली' व 'राइनों' के माध्यम से वन्य पशुओं की रक्षा करने का आग्रह किया तो वहीं दूसरी ओर कक्षा चार व पाँच के विद्यार्थियों द्वारा पेड़ों की रक्षा (पर्यावरण बचाव) व एकता में शक्ति है विषय वस्तु पर अपनी कठपुतलियों के माध्यम से बहुत ही सुंदर सामाजिक संदेश प्रस्तुत करते हुए उपस्थित दर्शकों की तालियाँ बटोरी। विद्यालय के प्रबंध निदेशक महोदय डॉ. एन. सी. लुनायच ने विद्यार्थियों के उत्साह की प्रशंसा करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि बच्चों ने आज कठपुतलियों के माध्यम से जो संदेश प्रस्तुत किया है वह हम सभी के लिए अत्यंत आवश्यक है क्योंकि प्रकृति व वन्य जीवों का संरक्षण करना हमारा प्रयास ही नहीं बल्कि यह हमारा दायित्व भी है।

संस्था के निदेशक कुलदीप सिंह ने अपने उद्बोधन मे कहा कि विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ इस प्रकार की अन्य गतिविधियाँ भी समय-समय पर आयोजित होती रहनी चाहिए जिससे विद्यार्थियों का शारीरिक व मानसिक विकास हो सके व उनमें स्वयं कुछ करने की क्षमता भी विकसित हो इसके साथ ही उन्होंने शिक्षकों से भी निवेदन किया कि प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता को परखते हुए उसे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। अन्त में विद्यालय की प्राचार्या सुश्री चित्रा राजे बसेरा ने अपने उद्बोधन द्वारा उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

// पोस्टर विमोचन //

(सफल राजस्थान)। चुनाव आयुक्त राजस्थान से वसुधा जन विकास संस्थान के महिला मतदाता कार्यक्रम का पोस्टर विमोचन करवाया। विमोचन चुनाव आयुक्त राजस्थान व शिल्पी फाउंडेशन की ओर से शिल्पी अग्रवाल व वसुधा जन विकास संस्थान के पदाधिकारी।

मनन चुघ ने किया दादा का नाम रोशन

सफल राजस्थान

जयपुर। कॉमर्स के विद्यार्थी मनन चुघ ने 12वीं बोर्ड की परीक्षा में 95.2% रिज़ल्ट लाकर साबित कर दिखाया है कि मेंटल फ़िट्नेस के साथ फ़िज़िकल फ़िट्नेस भी ज़रूरी है। अपने स्कूल रूकमणी बिड़ला माडर्न हाई स्कूल के स्पोर्ट्स और गेम्स कैप्टन के साथ-साथ अपने सेक्शन में टॉप स्कोर किया है। बास्केटबाल में स्टेट लेवल टूर्नामेंट में ऐक्टिव पर्टिसिपेशन के साथ 12वीं के बोर्ड में शानदार प्रदर्शन के लिए मनन ने एक मिसाल क़ायम की है। आगे भी वह इसी तरह स्पोर्ट्स के साथ-साथ बिजनेस में मैनजमेंट की पढ़ाई करना चाहते हैं। अब वह अपने दादा ज्ञान चंद चुघ की कम्पनी के सुमोटो फ़ुटवेयर ब्राण्ड को इंटरेशनल ब्राण्ड बनाने के लिए एमबीए मार्केटिंग और फाइनेंस की डिग्री हासिल करना चाहते हैं। मनन का मानना है की सफल बिजनेस चलाने के लिए यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के साथ-साथ नई सोच के बदलाव हों ताकि वह अपने कारोबार को नई दिशा दे सकें।

बलात्कार मुक्त भारत बनाने के लिए राजधानी में जन संवाद का आयोजन किया गया

सफल राजस्थान

जयपुर। राजधानी जयपुर में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी द्वारा स्थापित कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन और कमलनिष्ठा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में ङ्क रेप फ्री इंडिया- अभियान के तहत पिंकसिटी प्रेस क्लब सभागार में शुक्रवार को जनसंवाद कार्यक्रम रखा गया। गौरतलब है कि अभियान के तहत राजस्थान में लोकसभा का चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों से बलात्कार मुक्त भारत बनाने में सहयोग करने का अनुरोध किया जा रहा है। इसके तहत भारत को 2022 तक बलात्कार मुक्त बनाने के लिए राजस्थान के 25 निर्वाचन क्षेत्रों मेंसिविल सोसायटी समूहों ने एक अभियान की शुरुआत की है। जिसमें बलात्कार मुक्त भारत बनाने के शपथ पत्र पर हस्ताक्षर कराने सहित मुख्य-मुख्य जगहों पर जन संवादों का आयोजन शामिल है।

गौरतलब है कि सिविल सोसायटी समूहों के इस आयोजन की अगुवाई नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी द्वारा स्थापित कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन, कमल्स्थान और कोलसिया जैसी अग्रणी संस्थाएं कर रही हैं। शुक्रवार को आयोजित इस जन संवाद में विभिन्नराजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, लोकसभा क्षेत्रों के निर्दलीय उम्मीदवारों, महिला समूहों, युवाओं और बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। जन संवाद में वक्ताओं ने इस बात पर चिंता जताई कि देश में मजबूत कानून के बावजूद महिलाएं और बच्चे डर के माहौल में जीने को अभिशप्त हैं और उनकी सुरक्षा की स्थिति गंभीर बनी बनी हुई है। बलात्कार और यौन हिंसा का मुकाबला करने के लिए जितनी राजनीतिक इच्छाशक्ति, जवाबदेही और सामाजिक जिम्मेवारी की ज़रूरत है, वह अभी भी नज़र नहीं आती। इसीलिए हमको वोट की अपेक्षा करने वाले प्रत्याशियों से यह मांग करनी चाहिए कि जिन्हें हमारा वोट चाहिए वे सबसे पहले हमें बलात्कार मुक्त भारत बनाने की गारंटी दें। नया भारत बनाने के प्रति वे हमसे अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करें।

ये रहे मौजूद : कमलनिष्ठा संस्थान के डीपी सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में प्रेस क्लब अध्यक्ष अभय जोशी, समाजसेवी रितु अग्रवाल, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष मधु शर्मा, स्वराज इंडिया पार्टी के महासचिव अजीत सिंह चौधरी, भाजयुमो नेता कुलदीप सिंह बैंसला, बॉलीवुड कोरियोग्राफर विकास सक्सेना, राजस्थानी फिल्म अभिनेता श्रवण सागर, युवा भारत अभियान के महासचिव हर्ष दाधीच, चाहत फाऊंडेशन से श्रेया गुप्ता, डीएसपी अधिकार दल के महासचिव रमेश प्रजापत, नेशनलिस्ट पीपल्स फ्रंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंचशील जैन, वैशाली क्लब संयोजक पवन टाक, मिस राजस्थान 2017 सिमरन शर्मा, फिल्म डायरेक्टर योगेश मिश्रा, राजस्थानी फिल्म अभिनेता राजा जांगिड़, फिल्म डायरेक्टर अनिल सैनी, थियेटर आर्टिस्ट आनंद गंगवाल, फिल्म निर्देशक संजय मलिक, मिसेज वर्ल्ड लीना शर्मा, प्रोफेसर सुमन शर्मा, कांग्रेस सेवादल के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुरेश चौधरी, भाजयुमो नेता विकेश, कांग्रेस रिसर्च डिपार्टमेंट के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. वेदप्रकाश शर्मा, बेटी फाऊंडेशन की कीर्ती रैना, विष्णुदत्त जैमन आदि उपस्थित रहे और चर्चा की।

ये है अभियान का उद्देश्य : इस अभियान की शुरुआत इसलिए की जा रही है क्योंकि देश में दिनानुदिन महिलाओं और बच्चों के साथ बलात्कार की घटनाएं जिस तरह से बढ़ती जा रही हैं वह महामारी का संकेत देती हैं। बलात्कार की बढ़ती घटनाओं के खिलाफ लोगों को जागरूक करने के लिए इस अभियान की जरूरत महसूस की गई है। अभियान को देश के 19 राज्यों के 500 लोकसभा क्षेत्रों में चलाया जा रहा है, जिसमें बलात्कार मुक्त भारत के शपथ पत्र पर विभिन्न राजनीतिक दलों और निर्दलीय प्रत्याशियों के हस्ताक्षर करवाने सहित जन संवादों के आयोजन शामिल हैं।इस बाबत कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन्स फाउंडेशन के मैनेजर देशराज सिंह बताते हैं, हमारे देश में बलात्कार नेसबसे बड़ी सामाजिक समस्या का रूप ले लिया है। इसलिए यह जरूरी है कि राजनीतिक दल इस मुद्दे को प्राथमिकता दें।

इस अभियान के शपथ पत्र पर अभी तक 300 से ज्यादा प्रत्याशियों ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें कई दिग्गज शामिल हैं। मसलन, कांग्रेस के दिग्विजय सिंह, श्रीमती शीला दीक्षित, भारतीय जनता पार्टी के रविशंकर प्रसाद, रीता बहुगुना जोशी, राष्ट्रीय जनता दल के शरद यादव, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कन्हैया कुमार और आम आदमी पार्टी के दिलीप पांडेय जैसे राजनेता प्रमुख हैं।

अभियान के शपथ पत्र की मुख्य मांगें इस प्रकार हैं-'बलात्कार मुक्तभारत बनाने को सुनिश्चित करने के लिए एक बजटीय राष्ट्रीय कार्य योजना तैयार किया जाए औरकेंद्रीय बजट में बाल संरक्षण के लिए 10 प्रतिशत राशि का आवंटन किया जाए।' जन संवाद में हिस्सा लेने वालों ने यह भी मांग की कि यौन अपराधों के आरोपियों को पार्टी से तत्काल निलंबित किया जाए और दोषमुक्त साबित होने तक ऐसे किसी भी व्यक्ति या उसके समर्थकों को राजनीतिक दल चुनाव में अपना उम्मीदवार न बनाएं। देशराजजी का कहना है, 'हम विभिन्न राजनीतिक दलों और सरकारों से मांग करते हैं कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के मुद्दे को सबसे महत्वपूर्ण एजेंडे के रूप में अपने घोषणापत्र में शामिल करें।'

सरकारी आंकड़ों के अनुसारराजस्थान में बच्चों के खिलाफ अपराधों में पिछले पांच सालों (2012-16) में 123त्न की वृद्धि देखी गई है। 2016 मेंभारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और यौन अपराधों के खिलाफ बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) के तहत बच्चों के खिलाफ अपराधों के 4,034 मामलों की रिपोर्टिंग की गई। देशभर में बच्चों के खिलाफ दर्ज किए गए सभी अपराधों में से चार प्रतिशत अकेलेराजस्थान से थे। इस तरह से देखें तो बच्चों के खिलाफ अपराधों के मामले में राज्य 10वें स्थान पर आताहै। पिछले महीने 6 अप्रैल को पटना में शुरू किए गए बलात्कार मुक्त भारत अभियान के तहत जन संवादों का आयोजन अभी तकरायपुर, विजयवाड़ा, हैदराबाद, भुवनेश्वर, बेंगलुरू, अहमदाबाद, त्रिची, झांसी और पुणे जैसे शहरों में किया जा चुका है। इस अभियान में भारी संख्या में राजनेता, युवा, कॉरपोरेट प्रमुख, महिलाओं के समूह, जमीनी स्तर पर काम करने वाले सिविल सोसायटी समूह और एनजीओज सुरक्षित बचपन, सुरक्षित भारत बनाने को मजबूत संकल्प के साथ जुड़ रहे हैं।

सम्पादकीय ... विमला देवी

उत्साहजनक नतीजे

सर्वाधिक अंक हासिल करने वालों में लड़कियों की संख्या अधिक है। फिर अधिकतम पांच सौ में से चार सौ निन्यानबे अंक यानी महज एक अंक कम हासिल कर दो लड़कियों का सर्वोच्च स्थान प्राप्त करना भी गौरव की बात है। परीक्षाओं के नतीजे विद्यार्थियों की पढ़ाई-

लिखाई में रुचि के साथ-साथ शिक्षा की गुणवत्ता को भी रेखांकित करते हैं। इस लिहाज से इस साल भी सीबीएसई यानी केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के बारहवीं के नतीजे उत्साहजनक कहे जा सकते हैं। इसमें फिर एक बार लड़कियों ने लड़कों से बाजी मारी। सर्वाधिक अंक हासिल करने वालों में लड़कियों की संख्या अधिक है। फिर अधिकतम पांच सौ में से चार सौ निन्यानबे अंक यानी महज एक अंक कम हासिल कर दो लड़कियों का सर्वोच्च स्थान प्राप्त करना भी गौरव की बात है। इसमें एक उपलब्धि यह भी शुमार है कि केंद्रीय विद्यालयों ने परीक्षा फल के मामले में सबसे बेहतर प्रदर्शन किया। उनमें पढ़ने वाले साढ़े अठानबे फीसद से ऊपर विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। दूसरे स्थान पर जवाहर नवोदय विद्यालयों का प्रदर्शन रहा, जो कि पिछड़े इलाकों के होनहार विद्यार्थियों को श्रेष्ठ शिक्षा उपलब्ध कराने के मकसद से चलाए जाते हैं। निजी स्कूलों का प्रदर्शन तीसरे स्थान पर रहा। इसके अलावा शहरों के हिसाब से त्रिवेंद्रम पहले, चेन्नई दूसरे और दिल्ली तीसरे स्थान पर रहे। इन आंकड़ों से यह साफ है कि शिक्षा के प्रति रुझान महानगरों की अपेक्षा कम सुविधा संपन्न इलाकों के विद्यार्थियों में अधिक है। दिल्ली जैसे शहर, जहां पढ़ाई-लिखाई के मामले में अधिक सतर्कता और निजी स्कूलों में व्यावसायिक होड़ दिखाई देती है, वहां के स्कूलों का प्रदर्शन अगर नीचे खिसक रहा है, तो इसे अच्छा संकेत नहीं कहा जा सकता। हालांकि पिछले कुछ सालों से सीबीएसई के नतीजों को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। सीबीएसई की तुलना में राज्यों के शिक्षा बोर्डों के नतीजे काफी नीचे दर्ज होते हैं। इसकी कुछ वजहें तो साफ हैं। एक तो यह कि राज्य शिक्षा बोर्डों के तहत चलने वाले स्कूलों में शिक्षा का स्तर सुधारने की दिशा में गंभीर प्रयास नहीं हो पाए हैं। इसका नतीजा यह होता है कि अक्सर प्रतियोगी परीक्षाओं में जब दोनों बोर्डों के बच्चे साथ बैठते हैं तो राज्य बोर्डों के बच्चे कमजोर साबित होते हैं। इस तरह राज्य बोर्डों से पढ़े अनेक होनहार बच्चे भी बेहतर माने जाने वाले शिक्षण संस्थानों में दाखिला पाने से रह जाते हैं। इसके अलावा, दिल्ली विश्वविद्यालय जैसी संस्थाओं में सीबीएसई के नतीजों के आधार पर कट-ऑफ सूची जारी की जाती है, जिसमें निजी स्कूलों या सीबीएसई पाठ्यक्रमों वाले बच्चे आसानी से जगह बना पाते हैं, जबकि राज्य बोर्डों के बच्चे हाथ मलते रह जाते हैं। इस तरह परीक्षा परिणामों के आधार पर समाज में शिक्षा की दो स्पष्ट धाराएं बन गई हैं। फिर यह सवाल कई सालों से उठ रहा है कि क्या वजह है कि विद्यार्थी साहित्य तक के पर्चे में पूरे के पूरे अंक हासिल कर ले रहे हैं। एक-दो नंबर कम पाने वाले विद्यार्थियों की संख्या भी अधिक होती है। गणित और विज्ञान जैसे विषयों में, जहां सवाल हल करने के तरीके और उनके उत्तर निर्धारित हैं, उनमें पूरे के पूरे अंक पाना हैरानी की बात नहीं। मगर साहित्य और समाज विज्ञान के विषयों में जहां बोध और अभिव्यक्ति के प्रश्न होते हैं, उनमें महज एकाध नंबर कटना स्वाभाविक रूप से मूल्यांकन पद्धति पर सवाल खड़े करता है। हालांकि सीबीएसई का दावा है कि उसकी मूल्यांकन पद्धति बहुत वैज्ञानिक है और उसकी पुस्तिकाएं जांचने वाले देश भर के योग्य और प्रशिक्षित अध्यापक होते हैं। मगर इससे यह सिद्ध नहीं होता कि साहित्य और समाज विज्ञान के बोध प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय वे अकाट्य तर्क रखते होंगे।

हालांकि पिछले कुछ सालों से सीबीएसई के नतीजों को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। सीबीएसई की तुलना में राज्यों के शिक्षा बोर्डों के नतीजे काफी नीचे दर्ज होते हैं। इसकी कुछ वजहें तो साफ हैं। एक तो यह कि राज्य शिक्षा बोर्डों के तहत चलने वाले स्कूलों में शिक्षा का स्तर सुधारने की दिशा में गंभीर प्रयास नहीं हो पाए हैं। इसका नतीजा यह होता है कि अक्सर प्रतियोगी परीक्षाओं में जब दोनों बोर्डों के बच्चे साथ बैठते हैं तो राज्य बोर्डों के बच्चे कमजोर साबित होते हैं।

पाठकों के पत्र

यदि आप आसपास के परिवेश से प्रभावित होकर कुछ लिखने का साहस रखते हैं, **इस पते पर लिखें।**

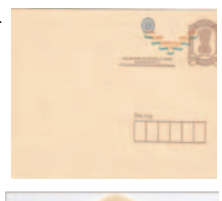

सफल राजस्थान

जी-48, सिने स्टार (सिटी स्टार),
सेन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर,
जयपुर -302039
ईमेल-
E-Mail : safalraj2012@gmail.com
मो. : 8829966661

खुदकुशी से उपजते सवाल

अभिभावकों के अनुसार आत्महत्या करने वाले विद्यार्थी अपने पूर्व के परीक्षा परिणामों में उच्चतम अंक हासिल कर चुके थे, इसलिए उन्हें अपनी असफलता पर विश्वास नहीं हुआ। हद तो तब हो गई जब एक विद्यार्थी को बारहवीं कक्षा में तेलुगु में शून्य अंक मिला और पुनर्मूल्यांकन कराने पर उसके अंक बढ़ कर निन्यानवे हो गए। मीडिया की मानें तो इस वर्ष परीक्षा के मूल्यांकन का कार्य किसी निजी फर्म को दिया गया था जो पहले से ही कई अनियमिताओं के आरोपों में घिरी है। इस पर फर्म का कहना है कि सॉफ्टवेयर में तकनीकी खराबी के कारण ऐसा हो गया। यानी सॉफ्टवेयर की खराबी के कारण मेधावी बच्चों को पांच से दस अंक मिले, सौ से अधिक अंक हासिल कर चुके थे, इसलिए उन्हें अपनी असफलता पर विश्वास नहीं हुआ। हद तो तब हो गई जब एक विद्यार्थी को बारहवीं कक्षा में तेलुगु में शून्य अंक मिला और पुनर्मूल्यांकन कराने पर उसके अंक बढ़ कर निन्यानवे हो गए। मीडिया की मानें तो इस वर्ष परीक्षा के मूल्यांकन का कार्य किसी निजी फर्म को दिया गया था जो पहले से ही कई अनियमिताओं के आरोपों में घिरी है। इस पर फर्म का कहना है कि सॉफ्टवेयर में तकनीकी खराबी के कारण ऐसा हो गया। यानी सॉफ्टवेयर की खराबी के कारण मेधावी बच्चों को पांच से दस अंक मिले, सौ से अधिक अंक हासिल कर लेना और अब माता-पिता ही बच्चों की असफलता बर्दाश्त नहीं कर पाते। आज सफलता का मतलब है जिंदगी और असफलता का मतलब है आत्महत्या। आज हम किस तरह की युवा पीढ़ी तैयार कर रहे हैं जिसने जीवन में संघर्ष शुरू होने से पहले ही हार मान ली, जिसके लिए जीत और सिर्फ जीत एक मात्र लक्ष्य रह गया है। राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार भारत में हर घंटे एक विद्यार्थी आत्महत्या कर लेता है और एक दिन में पच्चीस। भारत जनसंख्या की दृष्टि से दुनिया में दूसरे नंबर पर है, लेकिन आत्महत्या के मामले में पहले स्थान पर है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या करने का प्रमुख कारण शैक्षणिक तनाव है। मोटा वेतन हासिल करने वाले सफल विद्यार्थियों की कहानियां अखबारों और पत्रिकाओं में प्रमुखता से स्थान प्राप्त करती हैं और दूसरे बच्चों के माता-पिता को प्रेरित करती हैं कि वे भी अपने बच्चों से इस तरह की अपेक्षाएं रखें। आज के प्रतियोगिता मूलक समाज में यह बहुत सामान्य-सी बात हो गई है कि बहुत ही छोटी उम्र में अभिभावक अपने बच्चों को कोचिंग संस्थानों में प्रवेश दिलवा देते हैं ताकि वे किसी प्रतिष्ठित आइआइटी या मेडिकल कॉलेज में दाखिला पा सकें। इसके लिए उन्हें कड़ी मेहनत से गुजरना होता है, बारह से चौदह घंटे पढ़ाई में व्यस्त रहना, लंबे समय तक परिवार से दूर रहना, पारिवारिक उत्सवों और त्योहारों में सहभागिता से वंचित रहना, महीनों छुट्टियां नहीं मिलना, हफ्ते या दो हफ्ते के नियमित अंतराल पर मूल्यांकन परीक्षा देना, मनोरंजन एवं खेल के संसाधनों से दूर रहना.. आदि ऐसे कारण हैं जो विद्यार्थी से उनका स्वाभाविक जीवन छीन लेते हैं और वे एक मशीन बन कर रह जाते हैं।

आज शैक्षणिक असफलता का भय इतना व्यापक हो गया है कि उसके सामने जीवन तुच्छ नजर आने लगा है। सवाल है कि क्या हत्या और आत्महत्या समस्याओं का एकमात्र समाधान रह गए हैं? अगर इसका जवाब 'हां' है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? राज्य, परिवार या फिर बाजार? आज समाज पर उपभोक्तावाद इतना हावी है कि समृद्धि की चाहत में भावनाएं, रिश्ते, प्रेम सब कुछ हाशिये पर कर दिए गए हैं। ऐसा माना जाता है कि भारत सर्वाधिक युवा आबादी (18 से 35 वर्ष आयु वाला समूह) वाला देश है, जोदेश की कुल आबादी का लगभग इकतीस फीसद है। जिस देश में युवा शक्ति सर्वाधिक हो उस देश को विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने से कौन रोक सकता है? संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की एक रिपोर्ट के अनुसार चीन की युवा आबादी 26.9 करोड़ और अमेरिका की साढ़े छह करोड़ है, जो भारत के मुकाबले कम है। फिर भी ये देश विश्व की महाशक्तियों में शामिल किए जाते हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अपनी बड़ी युवा आबादी के साथ विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाएं नई ऊंचाइयां छू सकती हैं, बशर्ते वे युवा पीढ़ी के लिए शिक्षा व स्वास्थ्य में भारी निवेश करें और उनके अधिकारों का संरक्षण करें। अगर हमारे देश में ऐसी आबादी का इकतीस फीसद हिस्सा उपस्थित है तो इस देश में विकास की कितनी संभावनाएं हो सकती हैं! लेकिन पिछले कुछ समय से विद्यार्थियों और युवाओं की बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति विकास की इस संभावना को धूमिल करती नजर आती है। आश्चर्य की बात तो यह है कि विद्यार्थियों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति राज सत्ता, प्रशासन और समाज के लिए शायद चिंता व चर्चा का विषय नहीं रह गई है। कुछ दिन पूर्व ही तेलंगाना में बारहवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम आने के बाद एक हफ्ते में बीस विद्यार्थियों ने आत्महत्या कर ली। इस साल वहां 9.74 लाख विद्यार्थी इस परीक्षा में बैठे थे, जिनमें से तीन लाख विद्यार्थी असफल रहे। अभिभावकों के अनुसार आत्महत्या करने वाले विद्यार्थी अपने पूर्व के परीक्षा परिणामों में उच्चतम अंक हासिल कर चुके थे, इसलिए उन्हें अपनी असफलता पर विश्वास नहीं हुआ। हद तो तब हो गई जब एक विद्यार्थी को बारहवीं कक्षा में तेलुगु में शून्य अंक मिला और पुनर्मूल्यांकन कराने पर उसके अंक बढ़ कर निन्यानवे हो गए। मीडिया की मानें तो इस वर्ष परीक्षा के मूल्यांकन का कार्य किसी निजी फर्म को दिया गया था जो पहले से ही कई अनियमिताओं के आरोपों में घिरी है। इस पर फर्म का कहना है कि सॉफ्टवेयर में तकनीकी खराबी के कारण ऐसा हो गया। यानी सॉफ्टवेयर की खराबी के कारण मेधावी बच्चों को पांच से दस अंक मिले, सौ से अधिक विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित होने के बावजूद अनुपस्थित दिखा दिए गए। फर्म की इस लापरवाही के कारण बीस प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने अपनी जान गंवा दी। यहां सवाल उठता है कि इसे आत्महत्या माना जाए या सुनियोजित हत्या? यह घटना केवल तेलंगाना की शिक्षा-परीक्षा व्यवस्था की खामियों को ही उजागर नहीं करती, अपितु संपूर्ण देश में शिक्षा के क्षेत्र में ऐसी ही तस्वीर उभर कर आई है। बहुत ज्यादा पुरानी बात नहीं है जब पिछले वर्ष मध्यप्रदेश में भी दसवीं और बारहवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम आने के बाद बारह बच्चों ने खुदकुशी कर ली थी। ये तो वे आंकड़े हैं जो स्कूल में पढ़ने वाले बच्चो के हैं। ऐसे विद्यार्थियों की संख्या तो और ज्यादा है जो प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे आइआइटी, मेडिकल, सिविल सर्विस आदि में असफल होने के बाद खुदकुशी जैसा कदम उठाते हैं। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2018 में अकेले कोटा (राजस्थान) में इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे उन्नीस विद्यार्थियों ने खुदकुशी कर ली थी। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि आजकल इंटरनेट पर सर्वाधिक खोजा जाने वाला विषय है-'दर्द रहित मौत' (पेनलैस सुसाइड)। आज जिस समाज में हम जी रहे हैं, उसमें संवादहीनता की स्थिति बहुत हद तक बढ़ गई है। साथ ही, बच्चों व अभिभावकों के मध्य असंतुलित संबंध, अत्यधिक अपेक्षाएं, मित्रों या प्रेम संबंधों में खटास आना, पढ़ाई का तनाव, जीवन की कठिनाइयों का सामना करने में स्वयं को असमर्थ मानना इत्यादि मुख्य कारण हैं जो विद्यार्थियों को ऐसा कदम उठाने के लिए उकसाते हैं। एक समय था जब परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल होने पर परिवारजन अथवा अभिभावक कहते सुने जाते थे कि कोई बात नहीं अगली बार

// हालात और चुनौती //

नोटबंदी के बाद अर्थव्यवस्था के कमजोर पड़ने का जो सिलसिला शुरू हुआ था उससे अभी तक मुक्ति नहीं मिली है। हालांकि अर्थव्यवस्था के लिए घरेलू कारणों के अलावा बाहरी कारण भी काफी हद तक जिम्मेदार होते हैं। ऐसे में अगर भारत सरकार का वित्त मंत्रालय यह कह रहा है कि पिछले वित्त वर्ष (2018-19) में अर्थव्यवस्था सुस्त रही तो इससे भविष्य का भी संकेत मिलता है। आखिर क्या कारण हैं जिनका अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा। सरकार की ओर से तीन बड़े कारण बताए जा रहे हैं। पहला तो यह कि मांग में कमी बनी रही, जिससे घरेलू उपभोक्ता बाजार कमजोर बना रहा। दूसरी वजह स्थायी निवेश में बढ़ोतरी न के बराबर हुई। तीसरा कारण निर्यात सुस्त रहना था। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ) ने इस साल फरवरी में 2018-19 की आर्थिक वृद्धि दर का पूर्वानुमान 7.20 फीसद से घटा कर सात फीसद कर दिया था।

आखिर क्या कारण हैं जिनका अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा। सरकार की ओर से तीन बड़े कारण बताए जा रहे हैं। पहला तो यह कि मांग में कमी बनी रही, जिससे घरेलू उपभोक्ता बाजार कमजोर बना रहा। अर्थव्यवस्था में सुस्ती के जो संकेत आ रहे हैं, वे इस बात के प्रमाण हैं कि आर्थिकी के क्षेत्र में सब कुछ संतोषजनक नहीं है। अर्थव्यवस्था में सुस्ती का संकेत बताता है कि उद्योग, कारोबार, बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र, सेवा क्षेत्र, दूरसंचार जैसे प्रमुख क्षेत्रों की हालत न तो पिछले कुछ समय में अच्छी रही है और न आने वाले महीनों में अच्छी रहनी है। बैंकिंग क्षेत्र एनपीए की मार झेल रहा है। वित्तीय क्षेत्र की हालत भी कोई मजबूत नहीं है। रोजगार भी अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा होता है। वर्तमान में रोजगार की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले साढ़े चार दशक में इस वक्त बेरोजगारी की दर उच्चतम स्तर पर है। नोटबंदी के बाद अर्थव्यवस्था के कमजोर पड़ने का जो सिलसिला शुरू हुआ था उससे अभी तक मुक्ति नहीं मिली है। हालांकि अर्थव्यवस्था के लिए घरेलू कारणों के अलावा बाहरी कारण भी काफी हद तक जिम्मेदार होते हैं। ऐसे में अगर भारत सरकार का वित्त मंत्रालय यह कह रहा है कि पिछले वित्त वर्ष (2018-19) में अर्थव्यवस्था सुस्त रही तो इससे भविष्य का भी संकेत मिलता है। आखिर क्या कारण हैं जिनका अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा। सरकार की ओर से तीन बड़े कारण बताए जा रहे हैं। पहला तो यह कि मांग में कमी बनी रही, जिससे घरेलू उपभोक्ता बाजार कमजोर बना रहा। दूसरी वजह स्थायी निवेश में बढ़ोतरी न के बराबर हुई। तीसरा कारण निर्यात सुस्त रहना था। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ) ने इस साल फरवरी में 2018-19 की आर्थिक वृद्धि दर का पूर्वानुमान 7.20 फीसद से घटा कर सात फीसद कर दिया था। पिछले पांच साल में यह पहला मौका है जब आर्थिक वृद्धि की रफ्तार सबसे कम है। हालांकि पिछले महीने रिजर्व बैंक ने रेपो दर में कटौती का जो कदम उठाया था, उसका मकसद ही अर्थव्यवस्था में तेजी लाने की दिशा में बढ़ना था। रिजर्व बैंक के अलावा अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी फिच और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान में कमी की बात कही थी। एडीबी ने वैश्विक हालात के मद्देनजर भारत के जीडीपी पूर्वानुमान को 7.6 फीसद से घटा कर 7.2 फीसद कर दिया था। फिच ने अर्थव्यवस्था में उम्मीद से कम रफ्तार की बात कही थी और वित्त वर्ष 2019-20 के लिए 6.8 फीसद जीडीपी का अनुमान व्यक्त किया था, जो पहले सात फीसद था। जाहिर है, हालात कई महीनों से ऐसे बने हुए हैं, जिनसे अर्थव्यवस्था की दर पर असर पड़े बिना रह नहीं सकता। सरकार के लिए चुनौतियां कम नहीं हैं। अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए उदार और तर्कसंगत कदम उठाने की जरूरत है। हालांकि भारत के लिए आने वाले दिन ज्यादा मुश्किल भरे हो सकते हैं, खासकर ऊर्जा संबंधी जरूरतें पूरी और निर्यात के मोर्चे पर स्थिति मजबूत करने के लिए। हालात चिंताजनक इसलिए हैं कि देश का विनिर्माण क्षेत्र डगमगाया हुआ है। आम चुनाव की वजह से भी अनिश्चितता का माहौल है, जिसका आर्थिकी पर असर पड़ रहा है। इस अप्रैल में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर पिछले आठ महीने में सबसे कम रही। इस क्षेत्र में सुस्ती का मतलब है कि बाजार में खरीदार नहीं हैं। खर्च घटाने के लिए कंपनियां नौकरियों में कटौती कर रही हैं। आज जो हालात बने हुए हैं उनमें जल्द सुधार के आसार नजर नहीं आ रहे। नई सरकार अर्थव्यवस्था के लिए क्या, कैसी नीतियां बनाती है, काफी कुछ इस पर ही निर्भर करेगा।

क्यों बदलते हैं चुनावी मझदार में मुद्दे

जैसे ही चुनाव झमाझम हिंदी पट्टी में घुसा है, अचानक लड़ाई का स्वर बदलता लग रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ठीक उसी समय अपने पिछड़ा ही नहीं, अति पिछड़ा होने की घोषणा की जब चुनाव उत्तर प्रदेश के पूरब की तरफ बढ़ने लगा। और इस बार तो किसी तरफ से यह उकसावा भी नहीं था। पिछली बार भी प्रियंका गांधी ने किसी बात पर गुस्सा होकर कहा था कि वे इतनी नीच राजनीति नहीं कर सकतीं। मोदी ने उसे नीच जाति की राजनीति और फिर अपनी ''नीच' जाति तक उतार दिया। प्रियंका चुप्पी साध गई। पर इस बार बसपा और सपा के नेता, जिनके गठबंधन के चलते उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री को अति पिछड़ा और पिछड़ा ही नहीं, नकली पिछड़ा बताने में जुट गए। लगता है कि उत्तर प्रदेश में सपा-बसपा के सामाजिक आधार में मेल बना हुआ है तो बिहार में यादव और मुसलमान का ''माय' ही नहीं निषादों के आने से ''मुनिया' (मुसलमान, निषाद और यादव) नामक नया सूत्र बन रहा है।होने को तो उत्तर प्रदेश और बिहार में पहले फेज से ही चुनाव जारी है, लेकिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश का मुकाबला ठीक वैसा ही नहीं है, जैसा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार ही नहीं, राजस्थान, मध्य प्रदेश और हरियाणा का भी है। जाति का खेल तो इन राज्यों में बिहार और उत्तर प्रदेश से भी ज्यादा चलता है। पश्चिम उत्तर प्रदेश में मुसलमानों का अनुपात ज्यादा है, यादव कम हैं, और दलितों में जाटव ज्यादा हैं। कई सीटों पर तो सपा-बसपा के हाथ मिलाने से अगर उनके कोर वोटर हाथ आ जाएं तो उनके उम्मीदवार को जीत मिलने में मुश्किल नहीं हो सकती। ऐसे में इस गठजोड़ से बने सामाजिक समीकरण को सांप्रदायिकता ही काट सकती थी। पहला फेज हिंदुत्व मिश्रित राष्ट्रवाद का बनाने की कोशिश की गई। वही फार्मूला पूरब में और अन्य इलाकों में नहीं चल सकता। इसलिए सुर बदले हैं।

हैलो.. हैलो..

हॉस्पिटल

गवर्मेंट सैटेलाइट हॉस्पिटल, बनीपार्क	2202449
महिला चिकित्सालय, सांगानेरी गेट	2610616
एसएमएस हॉस्पिटल	2560291
जनाना हॉस्पिटल	2378721
ईएसआई डिस्पेंसरी, मालवीयनगर	2522724
ईएसआई डिस्पेंसरी, प्रताप नगर	2792594

पुलिस

कंट्रोल रूम, जयपुर सिटी	2575715
कंट्रोल रूम, जयपुर ग्रामीण	2575774
कंट्रोल रूम, यातायात	2565630

होटल-ट्यूरिज्म

गणगौर	0141-2371641, 2371642, 2371644, 2371646
स्वागत	0141-2200595, 2206701, 09950996242
तीज	0141-2205482, 2205473, 2203199, 09829058458
होटल खासा कोठी	0141-2375151, 4063000, 09414073182

रोडवेज

कंट्रोल रूम हैड ऑफिस	0141-2373044
सेंट्रल बस स्टैंड सिंधी कैंप	0141-2207906, 2207912, 207913, 2207914
डीलक्स बस आरक्षण	0141-2205790
ड्यूटी ऑफिसर प्लेटफार्म	0141-2207907
ड्यूटी ऑफिसर सिंधी कैंप	0141.2207903

रेलवे

रेलवे पूछताछ	131
रेलवे पूछताछ	139

हैल्प लाइन

चाइल्ड हैल्प लाइन	0141-2353997-1098
बिजली हैल्प लाइन	0141-2354900-1912
ऑपरेशन गरिमा	0141-2204475
एनीमल हॉस्पिटल हैल्प लाइन	0141-2373237
हैल्प इन सफरिंग हैल्प लाइन	0141-2760012

ब्लड बैंक

संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल हॉस्पिटल	0141- 2566251, 2574189
सवाई मानसिंह हॉस्पिटल	0141-256 02912
स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक	0141-2545293, 2721771

अग्निशमन केन्द्र

अग्निशमन हैल्पलाइन	101
बनीपार्क	0141-2201898
बाईस गोदाम	0141-2211258
घाट गेट	0141-2615550
विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र	0141-2332573
एम आई रोड	0141-2375925

सांस्कृतिक केन्द्र

जवाहर कला केंद्र	0141-2706560
रविन्द्र मंच	0141-2619061

ट्यूरिस्ट प्लेस

अल्बर्ट हॉल म्यूजियम	0141-2570099
आमेर फोर्ट	0141-2530293
बिरला प्लेनेटोरियम	0141-2385094,
हवा महल	0141-618862
जंतर मंतर	0141-2610494
जयगढ़ फोर्ट	0141-2274848
नाहरगढ़ फोर्ट	0141-5148044
जयपुर जू	0141-2680494
राम निवास गार्डन	0141-2617319
साइंस पार्क	0141-2304654
सिटी पैलेस	0141-2608055

एम्बुलेंस

एम्बुलेंस हैल्पलाइन	108
जेके लोन एम्बुलेंस	0141-2619827
महिला चिकित्सालय एम्बुलेंस	0141-2601333
एसएमएस एम्बुलेंस	0141-2560291
रेड क्रास एम्बुलेंस	0141-2617214

एयरलाइंस

एयर अरेबिया	0141-5115455
इंडिगो एयरलाइंस	0141-5119992
एयर इंडिया सिटी	0141-2744840, 2743500
ओमान एयरवेज	0141-4002041
एयर अरेबिया	0141-2378501, 2378204
एयर इंडिया	0141-2721333, 2721519
गो एयर	0141-6500803
जेट एयरवेज	0141-5112222
स्पाइस जेट	0141-5119882

दुर्घटना थाना

ईस्ट	2587436
वेस्ट	2577717
नॉर्थ	2568721
साउथ	2575171

खाना हमेशा ऐसा खाना चाहिये जिसको खाने से शरीर को ताकत मिले। इसलिये आज हम अपको प्रोटीन युक्त तूअर दाल राइस बनाना सिखा रहे हैं जिसे खाने से ना केवल आपको स्वाद मिलेगा बल्कि आपको प्रोटीन भी अच्छी मात्रा में मिलेगा। लंच के समय अगर चावल खाया जाए तो पेट लंबे समय तक भरा रहता है इसलिये आप इस टेस्टी रेसिपी को ट्राई कर सकती हैं।

प्रोटीन से भरी तूअर दाल राइस रेसिपी

सामग्री-
* चावल- 1 कप
* तूअर दाल- 1/2 कप
* जीरा- 1 चम्मच
* राई- 1 चम्मच
* हल्दी- 1/2 चम्मच
* कडी पत्ती- मुठ्ठीभर
* हींग- चुटकीभर
* नमक- स्वादअनुसार
* प्याज- 1 चम्मच
* हरी मिर्च- 2
* टमाटर- 1 कटा हुआ
* तेल- 1 चम्मच
* पानी- 1-1/2 कप

विधि-
* एक कुकर में तेल डाल कर गरम करें, फिर उसमें जीरा और राई डालें।
* कुछ ही देर में कटी प्याज, कटी हरी मिर्च, कडी पत्ती और कटे टमाटर डाल कर चलाएं।
* जब प्याज गोल्डन ब्राउन होने लगे तब उसमें हल्दी पावडर, हींग और नमक डालें।
* उसके बाद इसमें चावल और तूअर दाल डाल कर कुछ मिनट तक फ्राई करें।
* ऊपर से पानी डाल कर ढक्कन लगा दें। फिर इसे 2 सीटी आने तक प्रेशर कुक करें और बाद में आंच बंद कर दें।

पनीर पालक मेथी

सामग्री : * पालक - 250 ग्राम (बारीक कटी हुई) * मेथी - 250 ग्राम (बारीक कटी हुई) * पनीर - 250 ग्राम, तेल - 2-3 टेबल स्पून * हींग - 1 चुटकी * जीरा - आधा छोटा चम्मच * हल्दी पाउडर - चौथाई छोटा चम्मच * धनियां पाउडर - 1 छोटा चम्मच * टमाटर - 1 (बारीक कटा हुआ) * लाल मिर्च पाउडर - चौथाई छोटा चम्मच * हरी मिर्च - 2 (बारीक कटी हुई) * नमक - 3/4 छोटी चम्मच या स्वादानुसार चीनी - आधा छोटा चम्मच (यदि आप चाहें)।

विधि : * पनीर को 1-1 इंच के चोकौर टुकड़ों में काट लीजिए। पैन में 2 टेबल स्पून तेल डालकर गरम कीजिए। तेल गरम होने पर पनीर के टुकड़े इसमें डाल दीजिए और दोनों और से हल्के ब्राउन होने तक सेक लीजिए। सिके हुए पनीर के टुकड़ों को प्लेट मे निकाल लीजिए।
* पैन में तेल बचा है, 1 टेबल स्पून तेल और डाल दीजिए, गरम तेल में जीरा डाल दीजिए। जीरा भूनने पर इसमें हींग, बारीक कटी हुई हरी मिर्च, हल्दी पाउडर, धनियां पाउडर, बारीक कटे हुए टमाटर डाल कर, मसाले को थोड़ा सा भून लीजिए।
* भुने मसाले में बारीक कटी हुई मेथी, बारीक कटी हुई पालक, नमक, लाल मिर्च पाउडर और चीनी डालकर सभी चीजों को अच्छे से मिक्स कर लीजिए। सब्जी को मीडियम आग पर ढककर के 5 मिनट के लिए पकने दीजिए और उसके बाद चैक कीजिए।
* सब्जी पक चुकी है, इसमें पनीर के टुकड़े डालकर अच्छे से मिक्स कर लीजिए। सब्जी को एक बार फिर ढककर के 2-3 मिनट के लिए धीमी आग पर पकने दीजिए।
* पनीर मेथी पालक सब्जी बनकर तैयार है, इसे प्याले में निकाल लीजिए। सब्जी को आप परांठे, चपाती, नॉन या चावल किसी के भी साथ भी खा सकते है।

10 मिनट में बनाएं चना दाल चटनी

डोसे के लिये लोग तरह तरह की चटनी बनाना पसंद करते हैं। इसलिये आज हम आपको डोसे के साथ चना दाल चटनी बनाना सिखाएंगे जो कि आसान भी है तो 10 मिनट में बन भी जाती है। इसे बनाने के लिये आपके पास केवल मिक्सी होनी चाहिये। यह साउथ इंडियन चना दाल चटनी नारियल के मिश्रण से बनाई जाती है। इसके लिये आपको ढेर सारे मसाले की भी आवश्यकता है। तो देर किस बात की आइये जानते हैं चना दाल चटनी बनाने की आसान सी विधि।

सामग्री- * चना दाल- 2 चम्मच भुना हुआ * नारियल- 100 ग्राम घिसा * लाल मिर्च- 3 * इमली- थोड़ी सी * नमक- स्वादअनुसार
* धनिया पत्ती- गार्निश करने के लिये * छौंकने के लिये * तेल- 2 चम्मच * राई- 1 चम्मच * उरद दाल- 1/2 चम्मच * छोटा प्याज- 5 कटा हुआ * कडी पत्ती- थोड़ी सी

विधि- * एक पैन में आधा चम्मच तेल गरम करें, उसमें लाल मिर्च डाल कर चलाएं। आंच को धीमा ही रखें। जब हो जाए तब इसे किनारे रख दें।
* अब उसी पैन में फिर से आधा चम्मच तेल डाल कर गरम करें। फिर उसमें भुना हुआ चना दाल डाल कर चला कर पैन से निकाल लें।
* अब बाकी के बचे तेल में राई, उरद दाल और कडी पत्ती डालें।
* इसे चला कर कुछ ही मिनट में कटी प्याज डालें। जब प्याज गुलाबी हो जाए तब आंच बंद कर दें।
* एक बार जब तली हुई लाल मिर्च और रोस्ट की दाल ठंडी हो जाए तब इसे मिक्सी में घिसे नारियल, इमली, नमक और थोड़े से पानी के साथ पीस लें।

हाई बी पी को कंट्रोल करे ये टेस्टी स्मूदी

अगर आपको हाई बी पी की समस्या है तो आप सुबह उठ कर पहले कॉफी पीना बंद करें और उसकी जगह पर हमारी बताई हुई स्मूदी पियें। इससे आपका हाई बी पी कंट्रोल हो जाएगा। अगर आपको हाई बी पी की समस्या नहीं भी है तो भी आप इस टेस्टी स्मूदी का मजा ले सकते हैं। हाई बीपी वालों को विटामिन सी और पोटैशियम युक्त आहार खाने चाहिये। ये ऐसे खास न्यूट्रियन्ट्स हैं जो बी पी को लो करने में मदद करेंगे। इस टेस्टी स्मूदी में आप स्ट्रॉबेरी, कीवि, केला आदि डाल सकते हैं।

सामग्री- * 1/2 कप बिना मलाई का दूध * 1/2 कप लो फैट दही * 1/2 कप स्ट्रॉबेरी * 1 केला * 1 किवी * मुठ्ठीभर पिसा हुआ अलसी का बीज

विधि- * मिक्सी में डेढ़ कप दूध, डेढ़ कप दही और डेढ़ कप कटी हुई स्ट्रॉबेरी 1 कटा हुआ केला, थोड़े से कीवि और 1 चम्मच अलसी के बीज डाल कर कुछ मिनट तक चलाएं।
* जब स्मूदी अच्छी तरह से पिस जाए तब इसे एक गिलास में निकालें।
* आप इसमें बरफ के थोड़े टुकड़े भी डाल सकती हैं।
* इसे सर्व करें।

साउथ इंडियन डिश छाछ सांभर

नाश्ते में कई लोग डोसा खाना पसंद करते हैं। आइये आज हम आपको चीज़ पाव भाजी डोसा बनाना सिखाते हैं। इस डोसे में आपको साउथ और नॉर्थ इंडियन दोनों का ही स्वाद मिल जाएगा। ब्रेकफास्ट में अगर तरह तरह का आइटम खाने को मिले तो हमारे बच्चे भी खुश हो जाते हैं। तो अगर आपके बच्चे ब्रेकफास्ट में नखरा करते हैं तो उन्हें यह टेस्टी पाव भाजी वाला डोसा बना कर जरूर खिलाएं।

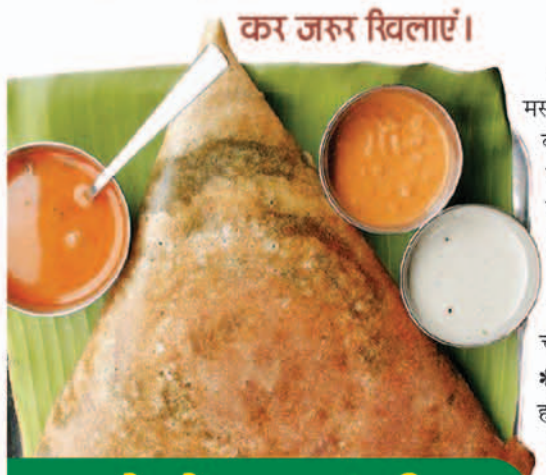

नाश्ते में बनाएं चीज़ पाव भाजी डोसा

सामग्री- * पाव भाजी मसाला- 4 चम्मच * डोसे का घोल- 1 पैकेट * तेल- तलने के लिये * बटर- 2 चम्मच * प्याज- 1 * हरी शिमला मिर्च- 1 * टमाटर- 1 * हरी मटर- कप * लहसुन - 1 चम्मच * सेजवान सॉस- 4 चम्मच * अमचूर पावडर- 2 चम्मच * हरी मिर्च पेस्ट- 1 चम्मच * लाल मिर्च पेस्ट- 2 चम्मच * आलू- 1 उबाल कर मसला हुआ * धनिया पत्ती- मुठ्ठीभर * चीज- कप घिसी हुई

विधि- * एक नॉन स्टिक पैन ले कर गरम करें। उस पर डोसे का घोल डाल कर गोलाई में फैलाएं।
* फिर उस पर एक चम्मच घी डाल कर चलाएं।
* जब तक डोसा पक रहा है, तब तक उस पर कटी हुई प्याज, शिमला मिर्च, हरी मटर, कटे टमाटर और चुटकी भर कटी लहसुन डालें।
* इस मिश्रण को डोसे पर मिक्स करें और ऊपर से सेजवान सॉस डालें।
* सब्जियों के पेस्ट को पूरे डोसे पर फैलाएं।
* अब इस पर मसला हुआ आलू और बटर तथा कटी हुई हरी धनिया डालें।
* अब थोड़ा सा पानी छिड़के जिससे की डोसा पैन से ना चिपके।
* फिर थोड़ा सा नमक छिड़के।
* अब गैस बंद कर दें, ऊपर से घिसी हुई चीज डालें।

क्या आप जानते हैं छाछ से भी कोई रेसिपी तैयार हो सकती है। जी हां, हम मठ्ठे की ही बात कर रहे हैं, जिसके प्रयोग से आज हम आपको सांभर बनाना सिखाएंगे। यह छाट सांभर एक साउथ इंडियन रेसिपी है जिसमें कद्दू भी मिक्स किया जाता है। छाछ का सेवन हमारे स्वास्थ्य के लिये काफी अच्छा माना जाता है। यह ब्लड प्रेशर को कम करता है तथा शरीर को ठंडा बनाए रखने में मदद करता है।

सामग्री

* सफेद कद्दू- 2 कप छोटे पीस में कटे
* चने की दाल - 2 1/2 चम्मच
* हरी मिर्च- 3 स्लाइस
* नारियल- 1/2 कप घिसा
* अदरक- 1 पीस
* साबुत धनिया- 1 1/2चम्मच
* धनिया पत्ती- 1
* राई- 1 चम्मच
* जीरा- 1/2 चम्मच
* हींग- 1/2 चम्मच
* हल्दी पावडर- 1/2 चम्मच
* दही- 1 कप
* पानी- 2 कप
* नमक- स्वादअनुसार
* छौंकने के लिये-
* तेल- 2 चम्मच
* राई- 1/2 चम्मच
* कडी पत्ती- 5
* सूखी मिर्च- 2

विधि

* चने की दाल को पानी में 10 मिन तक भिगो कर रखें।
* सफेद कद्दू को धो कर उसके बीज निकाल कर छोटे पीस में काट लें।
* एक गहरा बरतन लें, उसमें 2 कप पानी डालें और मध्यम आंच पर उसे उबलने के लिये रखें।
* फिर उसमें थोड़ा सा नमक डालें और फिर उसमें सफेद कद्दू के टुकड़े डाल कर ढंक दें और पकने दें।
* दूसरी ओर अब दही में थोड़ा सा पानी डाल कर घोल तैयार करें।
* मिक्सी में भिगोई हुई चने की दाल, घिसा नारियल,राई, जीरा और हरी मिर्च डाल कर पेस्ट बनाएं।
* फिर इसमें आप कटी हरी धनिया, हल्दी, अदरक, हींग तथा थोड़ा सा पानी डाल कर चलाएं।
* अब उबले कद्दू को पानी से निकालें।
* एक कढ़ाई में कद्दू डालें, उसमें पिसा हुआ मसाले का पेस्ट डाल कर चलाएं।

कैसे करें अपने लैपटॉप की सफाई

आज घर में हर किसी के पास खुद का लैपटॉप होना बड़ी ही आम सी बात हो चुकी है। जिस तरह से आप अपने अन्य समानों की सफाई करते हैं, ठीक उसी तरह से लैपटॉप की भी सफाई करना जरुरी होता है। कई लोग लैपटॉप खरीद तो लेते हैं लेकिन उसकी सफाई करने का ध्यान नहीं रहता। इससे न केवल कंम्प्यूटी की बाहरी सतह खराब होती है बल्कि तकनीकी रूप से भी वह काम करना बंद कर देता है। आइये जानते हैं अपने लैपटॉप को किस रूप से साफ किया जा सकता है।

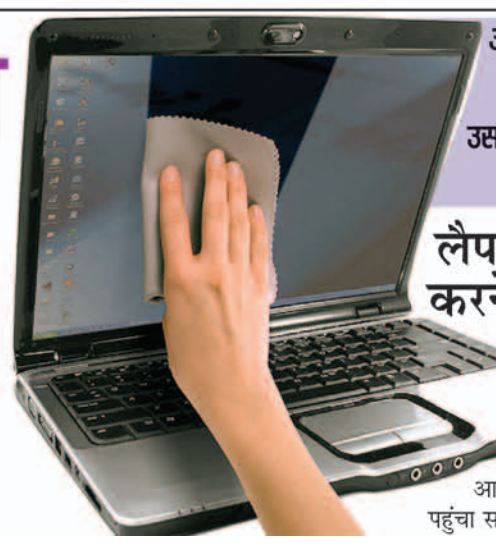

लैपटॉप को साफ करने का तरीका

1. लैपटॉप पर काम करते वक्त कॉफी और चाय से दूर रहें। कोई भी तरल पदार्थ आपके लैपटॉप को नुकसान पहुंचा सकता है।
2. अपने लैपटॉप को साल में एक बार किसी कंप्यूटर प्रोफेशनल से जरुर साफ करवाएं, जिससे अंदर की धूल मिट्टी साफ हो सके।
3. सफाई करते समय सबसे पहले लैपटॉप बंद कर लें और सफाई प्रक्रिया शुरू करने से पहले सभी तरह की बाहरी अटैचमेंट्स को अलग कर लें।
4. कीबोर्ड और किनारों की सफाई के लिए ब्रश का इस्तेमाल करें।
5. लैपटॉप को साफ करने वाले कपड़े में तेल या फिर पानी न लगा हो क्योंकि पीसी में तेल लग जाने पर उसमें और धूल जमेगी।
6. लैपटॉप कीबोर्ड को धूल-मिट्टी से बचाने के लिए उचित की-बोर्ड कवर का इस्तेमाल करें।
7. सीधे ही लैपटॉप पर क्लीनिंग एजेंट का इस्तेमाल ना करें। कपड़े की मदद से ही साफ करें।
8. बाहरी सफाई करने के बाद पीसी की अंदरूनी सफाई भी जरूरी है, इसके लिए हो सके तो ब्लोवर या फिर सॉफ्ट ब्रश का प्रयोग करें।
9. जब भी लैपटॉप में काम करें अपने हाथों को साफ रखें यानी उसमें तेल या फिर कोई भी ऐसी चीज न लगी हो जो आपके लैपटॉप की बॉडी को खराब कर दे।

रामचरण बोहरा के समर्थन में भव्य रोड़ शो सम्पन्न

जगह-जगह पुष्प वर्षा तथा आतिशबाजी से हुआ स्वागत

सफल राजस्थान

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर लोकसभा प्रत्याशी रामचरण बोहरा के समर्थन में पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे एवं केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री एवं प्रदेश लोकसभा प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर ने प्रात: 10 बजे गोविंद देवजी के मन्दिर में विधिवत पूर्जा अर्जना कर महन्तों का आर्शीवाद लेकर भव्य रोड शो प्रारम्भ किया।

लोकसभा मीडिया सह संयोजक आकाश शर्मा ने बताया कि भव्य रोड़ शो गोविंद देवजी के मंदिर से प्रारम्भ होते हुए श्रीड्योडी बाजार, हवामहल, बड़ी चैपड़ होते हुए जौहरी बाजार पहुंचा, जहां पर विभिन्न व्यापार मण्डलों एवं प्रतिष्ठानों के द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात् बापू बाजार, नेहरू बाजार, खजाने वालो का रास्ता, इन्द्रा बाजार, चांदपोल बाजार होते हुए चांदपोल हनुमान जी के मंदिर में पूजा अर्चना कर रोड शो का समापन हुआ। शर्मा ने बताया कि भव्य रोड शो के दौरान दुकानदारों, व्यापारियों ने पटाखे चलाकर एवं पुष्प वर्षा कर ढोल नगाडो के साथ भव्य स्वागत किया एवं भीषण गर्मी होते हुए भी जनता ने यह दिखा दिया कि लोकसभा चुनाव में भाजपा जयपुर शहर प्रत्याशी रामचरण बोहरा भारी मतों से विजयी होंगे एवं नरेन्द्र मोदी जी पुन: प्रधानमंत्री बनेंगे। रोड शो के दौरान 'मोदी-मोदी' के नारे लगे एवं मोदी जी द्वारा कराये गये कार्यो को जनता ने सराहा एवं 'फिर एक बार मोदी सरकार' के नारे लगाये।

शर्मा ने बताया कि रोड शो के दौरान प्रदेश सह प्रभारी गोपाल शेट्टी, पूर्व मंत्री एवं विधायक कालीचरण सराफ, पूर्व विधायक एवं जयपुर शहर अध्यक्ष मोहन लाल गुप्ता, विधायक नरपत सिंह राजवी, विधायक अशोक लाहोटी, पूर्व विधायक कैलाश वर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील कोठारी, प्रदेश मंत्री मुकेश दाधीच, जयपुर शहर मीडिया संयोजक चम्पालाल रामावत, पूर्व विधायक सुरेन्द्र पारीक, महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, उप महापौर मनोज भारद्वाज, जयपुर शहर मंत्री लक्ष्मीकांत भारद्वाज, जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, जौहरी बाजार व्यापार मण्डल अध्यक्ष अजय अग्रवाल सहित पार्टी के अनेक पार्षद, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

// गौ सेवा संकल्प //

(सफल राजस्थान)। सफल राजस्थान परिवार की ओर से सालासर बालाजी गौशाला संस्था सालासर में गौ माता की सेवा की जिसमें सालासर के पुजारी रवि शंकर पुजारी व सफल राजस्थान समाचार पत्र की संपादक विमला देवी के साथ राजकुमार चौधरी, तरूण चौधरी ने गौमाता को हाईड्रोपोनिक मशीन से तैयार चारा व गुड़ खिलाकर गौ माता की पूजा-अर्चना की और गौ माता रक्षा का संकल्प लिया।

सैनी ने मुख्यमंत्री गहलोत के जन्मदिन पर फल वितरित किये

सफल राजस्थान

चौमूं। आज शहर के राजकीय सामुदायिक चिकत्सालय में राजस्थान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जन्मदिवस पर चौमूं के पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी के द्वारा मरीजों को फल वितरित करके जन्मदिन मनाया। मरीजों ने मुख्यमंत्री गहलोत को जन्मदिन की बधाई दी। इस मौके पर पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष कृष्णकान्त जोशी, विष्णु कुमार सैनी, आशीष यादव, महेश यादव, राजेन्द्र इन्दौरा, पूर्व पार्षद विश्वदीप गौड, सुनिल सैनी, अर्जुन गिरणा, पवन सोनी, धमेन्द्र सैनी, भगवान सहाय हरसोलिया, राजेन्द्र यादव, कौशल तंवर, श्रवण बागडी, सायर तंवर, सुरज शर्मा, जेपी सैनी, श्रवण अग्रवाल, छीतरमल बबेरवाल, शंकर यादव, ताराचन्द सैनी, प्रकार डागर, किशोर जमालपुरिया सहित कार्यक्रर्ताओं ने फल वितरित किये।

ज्ञान और मनोरंजन के साथ शुरू हुआ सेंटवेव क्लब

सफल राजस्थान

जयपुर। ज्ञान और मनोरंजन को आधार बनाकर शुरुआत हुई सेटंवेव क्लब की जिसका शुभारंभ बनीपार्क स्थित होटल गोल्डन हेरिटेज में हुआ क्लब की संस्थापक एवं अध्यक्ष शिवाली गुप्ता ने बताया कि इस क्लब को शुरू करने का उद्देश्य महिलाओं को ना सिर्फ जानकारी से रूबरू कराना है बल्कि भागती दौड़ती जिंदगी में कुछ एक्टिविटीज और मनोरंजन के माध्यम से मानसिक तनाव को भी कम करना है।

कार्यक्रम की शुरुआत कथक डांसर मोनिका की गणेश वंदना के साथ हुई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ अनीता गौतम, डॉक्टर मेधावी दीक्षित, लता खंडेलवाल और मनीषा चेतवानी थी। अनीता गौतम ने महिलाओं को किस प्रकार से मानसिक तनाव से दूर रखा जा सकता है उसके बारे में जानकारी दी साथ ही मेधावी दीक्षित ने किस प्रकार से हम संतुलित खान-पान से तंदुरुस्त रह सकते हैं इस पर क्लब के मेंबर्स के साथ बातचीत की। क्लब की वाइस प्रेसिडेंट आरती बोहरा सचिव अंशु शर्मा मुख्य सचिव अनुराधा सोनी ने क्लब के सभी अतिथियों का स्वागत किया । कार्यक्रम की एंकरिंग सोनल माथुर ने की। कार्यक्रम की थीम 50 से 80 दशक तक की हिरोइन स्टाइल रखी गई थी जिसमें क्लब की मेंबर अलग-अलग अभिनेत्रियों की वेशभूषा एवं स्टाइल में नजर आई। कार्यक्रम के अंत में क्लब की अध्यक्ष शिवाली गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राजस्थान के गांधी मुख्यमंत्री गहलोत के जन्मदिन पर पक्षियों के लिये परिंडे बांधे

सफल राजस्थान

कोटा। भाग भाजपा भाग टीम धारिवाल के कार्यकर्त्ताओं और कांग्रेस के कार्यकर्त्ताओं ने राजस्थान के गांधी जननायक और यशस्वी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जन्मदिन पर कोटा शहर के विभिन्न जगहो पर भीष्म गर्मी से बचाव के लिये पक्षियो के लिये परिंडे बांधे और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की दीर्धायु की कामना की। इस अवसर पर भाग भाजपा भाग टीम के संस्थापक व जिला कांग्रेस के महांमत्री विपिन बरथुनिया, संभागीय अध्यक्ष महेश आहुजा, जिला अध्यक्ष साजिद खान लाला भाई, सेवादल के प्रदेश सचिव अमित सूद, यंग सेवादल के जिला अध्यक्ष प्रदीप सुमन ने शहर के विभिन्न स्थानो पर जाकर पक्षियों लिये परिंडे बांधे और साथ ही स्थानिय लोगों से इनमे प्रतिदिन पानी भरने के लिये आग्रह किया। जिला कांग्रेस महामंत्री विपिन बरथुनिया ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान की जनता के दिलो में बसे हुए हैं और राजस्थान की जनता के विकास व उज्जवल भविष्य के लिये अशोक गहलोत हमेंशा कार्यरत रहे हैं। अभी भी मुख्यमंत्री की शपथ लेते ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान की जनता के लिये योजनाओं और सुविधाओं का पिटारा खोल दिया जिनमें प्रमुख रुप से किसानो का कर्जा 2 लाख तक माफ करना, अस्पताल में सभी मरीजों को निशुल्क दवाइयां जिनमें कैंसर, हार्ट, मधुमेंह जैसी बिमारियों की दवाइयां भी सम्मिलित है, बिजली की दरो को न बढाना, 15000 लीटर तक पानी निशुल्क देना, बेरोजगारी भत्ता, वृद्धावस्था पेंशन में बढ़ोतरी, विघवा पेंशन, आदि कई योजनाओं और सुविधायें राजस्थान की जनता को दे चुके हैं और आगे भी आचार संहित के बाद राजस्थान की जनता कई योजनाओं का लाभ देने के लिये मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी लामबंद है। जिस कारण राजस्थान की जनता उनका जन्मदिन पूरे राजस्थान में विभिन्न स्थानो पर धूमधाम से मना रही है। इस अवसर पर आशीष जैन पाटौदी, ओमप्रकाश सुमन, असलम बेग, राजेश सक्सेना, शाकिर अली, ललित गहलोत, रामलाल, श्यामलाल, पवन वर्मा, सुनिल पटेल जितेन्द्र कुमार, राजेन्द्र सैनी आदि कांग्रेसजन उपस्थित रहें। संभागीय अध्यक्ष महेश आहुजा ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में राजस्थान का स्वर्णिम युग प्रारम्भ हो चुका है हमेंशा की तरह जननायक राजस्थान की जनता के बीच में अनेक सौगात देने के लिये कार्यरत है।

राव राजपूत समाज का सामुहिक विवाह सम्मेलन कल

(सफल राजस्थान)

जयपुर। अखिल भारतीय राव राजपूत महासभा की ओर से प्रथम सामूहिक विवाह 7 मई को अक्षय तृतीया के अबूझ मुहूर्त में मुरलीपुरा के नारायण वाटिका स्थित श्री कृष्णा पैलेस मैरिज गार्डन वह गुलाब पैराडाइज में आयोजित किया जाएगा। इसमें 11 जोड़े हमसफर बनेंगे। महासभा के मुख्य संरक्षक सत्यनारायण राव ईसरदा ने बताया कि 6 मई को सुबह गणेश पूजन और शहनाई वादन के साथ कार्यक्रम का आगाज होगा। शाम 7.00 बजे से माता जी का मंदिर मुरलीपुरा स्थित नारायण वाटिका मैरिज गार्डन में महिला संगीत का कार्यक्रम होगा। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राव पहलाद सिंह देवपुरा ने बताया कि 7 मई सुबह 8.15 बजे केडिया पैलेस चौराहा से नारायण वाटिका तक गाजे बाजे के साथ दूल्हों की बारात रवाना होगी। सुबह सवा 9 बजे बारात का स्वागत होगा। सुबह सवा 10 बजे पाणिग्रहण संस्कार होगा। रविवार को बड़ी चौपड़ स्थित लक्ष्मी नारायण बाई जी मंदिर में महामंडलेश्वर पुरुषोत्तम भारती ने महासभा के पदाधिकारियों के साथ सामूहिक विवाह सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन किया। महासभा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश सिंह बानसूर ने बताया कि वर वधु को डबल बेड, गद्दा, बेडशीट, तकिया, ड्रेसिंग टेबल, चौकी, अलमारी, फ्रिज, एलइडी टीवी, 51 वर्तन, सिलाई मशीन, मिक्सी, 4 प्लास्टिक की कुर्सी टेबल, सूटकेस, दुल्हन के 5 वेस, मंगलसूत्र, कान के टोपस, कांटा, पायल, चुटकी, दूल्हे के सूट का कपड़ा, पैंट, शर्ट, सोने की अंगूठी, व घड़ी उपहार स्वरूप प्रदान की जाएगी।

सचिवालय परिसर में बांधे परिंडे

(सफल राजस्थान)

जयपुर। गर्मी के बढ़ते तापमान को देखते हुए 2 मई को राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ अध्यक्ष पंकज कुमार एवं संघ कार्यकारिणी द्वारा एक अनुकरणीय पहल की गई। बेजुबान पक्षियों को इस भीषण गर्मी में राहत देने हेतु सचिवालय परिसर में परिंडे एवं दाने की व्यवस्था की गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि डी.बी. गुप्ता, मुख्य सचिव राजस्थान सरकार के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। साथ ही रोली सिंह, प्रमुख शासन सचिव, कार्मिक विभाग, संदीप वर्मा, प्रमुख शासन सचिव, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, एवं असलन शेरखान, संयुक्त शासन सचिव, कार्मिक (ख) विभाग द्वारा भी परिंडे लगाये गये। जिसमें सचिवालय कर्मचारी एवं अधिकारी साथियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।

मीडिया के क्षेत्र में करियर बनाने का सुनहरा अवसर...
सफल राजस्थान
राजस्थान के सभी जिलों में 'सफल राजस्थान' समाचार पत्र में कार्य करने के लिये युवक/युवतियों की आवश्यकता है।
safalraj2012@gmail.com
जी-48, सिने स्टार (सिटी स्टार), सेंट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर, जयपुर-पिन. 302039. मो. 8829966661, 9214466661

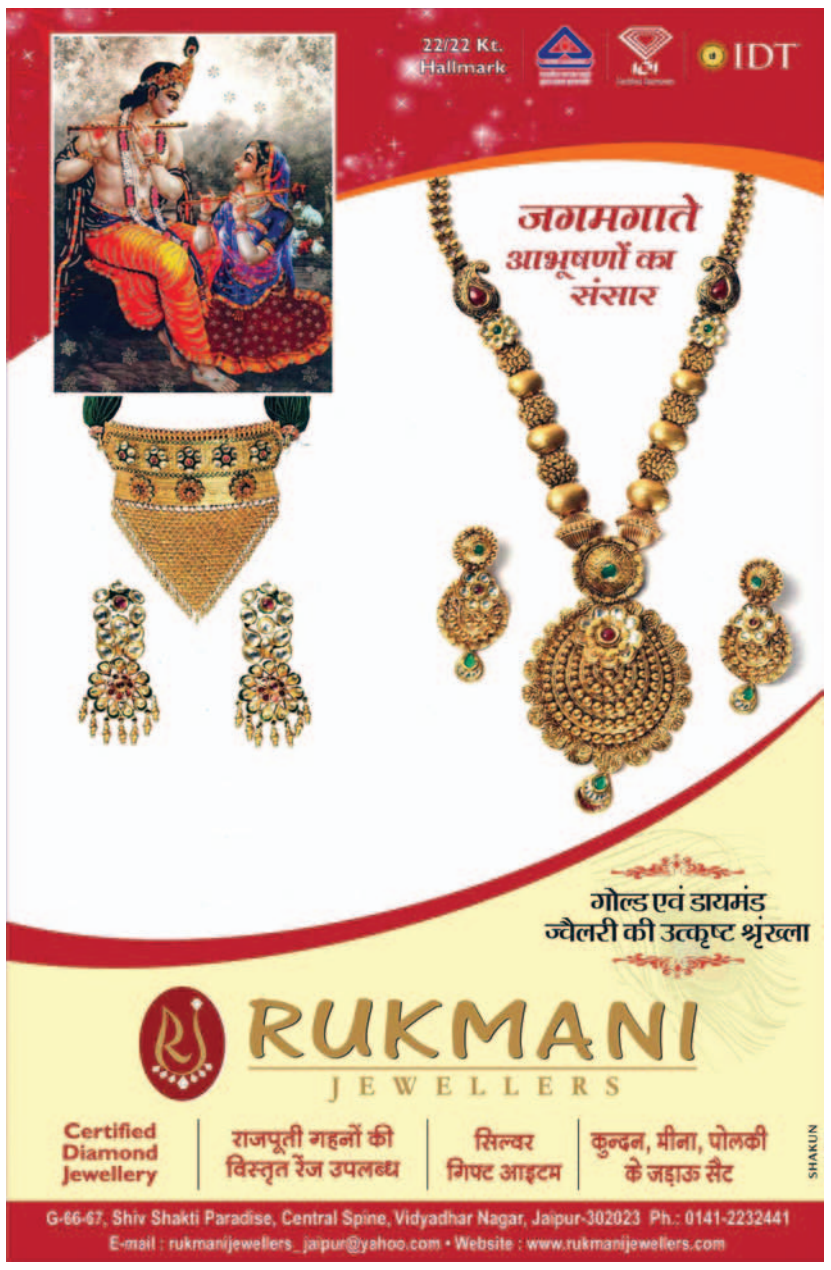

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक विमला देवी के लिए पी.के. प्रिन्टर्स एण्ड स्टेशनर्स, 31 पटेल नगर, 22 गोदाम, राम मंदिर जयपुर, जयपुर में मुद्रित एवं जी-48, सिने स्टार (सिटी स्टार), सेन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर, जयपुर -302039 से प्रकाशित।
सम्पादक : विमला देवी, E-Mail : safalraj2012@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर। मो. 8829966661, 9251166661, 9214466661